23301 - बच्चे के जनाज़ा की नमाज़

प्रश्न

क्या बच्चे को नहलाना चाहिए और उसपर जनाज़ा (अंतिम संस्कार) की नमाज़ अदा करनी चाहिए? ज्ञात रहे कि बच्चे की उम्र 8 साल है।

विस्तृत उत्तर

अधिकांश विद्वानों के अनुसार, बच्चे को नहलाया जाएगा और उसके जनाज़ा की नमाज़ अदा की जाएगी। इब्ने क़ुदामा रहिमहुल्लाह ने कहा : इस मामले में कोई मतभेद नहीं है। तथा इब्नुल-मुंज़िर ने इस बात पर विद्वानों की आम सहमति का वर्णन किया है कि उसपर जनाज़ा की नमाज़ पढ़ी जाएगी। देखें : अल-मुग़नी (3/458)।

जब बच्चे के जनाज़ा की नमाज़ पढ़ी जाएगी, तो उसके लिए क्षमा की प्रार्थना नहीं की जाएगी। इसलिए जनाज़ा की दुआ में यह नहीं कहा जाएगा : "अल्लाहुम्मग़-फिर लहू" (ऐ अल्लाह! उसे क्षमा कर दे)। ऐसा इसलिए है क्योंकि उसपर कोई पाप नहीं लिखा गया है। बल्कि उसके माता-पिता के लिए क्षमा और दया की प्रार्थना की जानी चाहिए। इसका प्रमाण यह है कि अबू दाऊद (हदीस संख्या : 3180) और तिर्मिज़ी (हदीस संख्या : 1031) ने मुग़ीरह बिन शो'बह से वर्णन किया है कि नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया : "बच्चे पर जनाज़ा की नमाज़ पढ़ी जाएगी और उसके माता-पिता के लिए क्षमा और दया की प्रार्थना की जाएगी।" इस हदीस को अलबानी ने 'अहकाम अल-जनाइज़' (पृष्ठ : 73)

और अल्लाह ही सबसे अधिक जानने वाला है। अल्लाह हमारे पैगंबर मुहम्मद और उनके सभी परिवार और साथियों पर दया एवं शांति अवतरित करे।